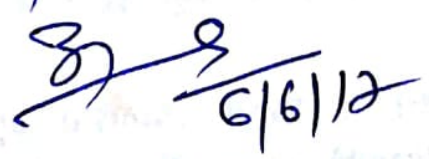


6-6-17

पत्रावली पेश हुई। जारी-प्रतिनाही इपॉसिबल
 प्रतिष्ठान (3) की ओर से वकील का जवाब प्राप्त
 हो चुका है कि आती ल 1314 रुकबा
 0.42 है तथा आशी ल 1320 रुकबा 0.07 है।
 बैंक में रहने हैं तथा बैंक में रहने हुए
 होने के होने पर बटवारा नहीं करवाना
 चाहते हैं। होने पर सहायता से वाड
 आगे नहीं चलना चाहते हैं। पत्रावली पेश
 हुआ है। नम्बर के रूप में और आगे
 इष्ट है।

ला.पू.मं०
 वा.मं०


 6/6/12